

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—वण्ड 3—वण-वण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

4. 403] No. 403] नई विल्लो, सोमबार, अन्तूबर 1.2, 1992/आश्विन 20, 1914

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 12, 1992/ASVINA 20, 1914

इ.स. भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

जल-भवल परिवहन मस लय

(पसन १क्ष)

प्रधिस्चन।

नई दिल्हा, 12अस्त्बर १५०%

मा.का.नि.५००/छ १. — केन्द्र सरकार महा पर्यन न्यास अधिनियम 1963 (1963 का उत्पार 152 की उप्पार (1) के स्था पठित आरा 174 का उपप्रारा (1) हारा प्रदत्त प्राक्ति या का प्रयास करते हुए, काइला पत्तन न्यासी मण्डल द्वारा बनाए भए और इस अधिसूचना के माथ सल्यन अनुसूच में काइला पत्ता पाठसट रिवा (प्रशिक्षण क्षेत्रीकरण तथा विनिष्टना) विनिधम 1992 का अनुभोदन करना है।

ं उक्त निवास इन प्रथित्वता के सरकार स्थापक मे प्रकाशन का तारीध को प्रवत्त तोने । ग्रनसूची

काडल। पोर्ट ट्रस्ट

महायन्त कासि प्रतिनियम, 1963 (1963) की द्यारा 28 ब्राग प्रदत्त शिवियों का प्रयोग कन्ते हुए कडला पोर्ट का न्यासी **मंडल** एतब्द्वारा निम्निनिष्टित विनिधम बना ते है, प्रथित्--

- 1 मक्षा गीर्षक, प्रारम्य तथा लाग् होना -
- (1) ये विनिधम कंडला पीर्ट पाइक्ट मेडा (प्रणिक्षण, श्रेणीकक्ण तथा विक्टिन । विनिधम, 199 कहे जायेने।
 - (11) ये रहना पाइनट महाने प्रनिक्षणार्थी पाइनरो पर नागा
 - ३ परिभागाए --
 - इन जिनियमा म अब ता सदर्भ से झानथा अपेति , न हा
 - (क) "प्रधिनिवस" से महा उत्तरं न्यास विव यम, 1963 (1963) का 38) समय-नमत्र व व्यवस्थात्रन व्यवस्थात्र होना ।
 - (ख) "बाई" से कड़ला पार्ट स्थाने महल अभिनेत होगा।

- (ग) "अध्यक्ष " से कंडला पोर्ट का अध्यक्ष अमित्रेन होगा।
- (घ) "कंडला पाइलट सेवा" से कंडला पोर्ट के न्यामी मंडल हारा गठित सेवा ग्रक्षिप्रेत होगी।
- (ङ) "उप संरक्षक, समुद्री विभाग" से ऐसा अधिकारी अभिन्नेत होगा जिसमे गइलट कार्यके निदेश तथा प्रयंत्र निहित्त हैं।
- (च) "हार्वर मास्टर" से ऐसा धिकारी श्रमिप्रेत होगा जो बोर्ड ढारा ानपुत्रन है तथा ऐसी ड्यूटो का पूरा करता है जो कि समय-समय पर उन संरक्षक ढारा नियत को जाती है।
- (छ) "सेवा" से कडला पाइलट सेवा अभिन्नेत हीनो ।
- (ज) "मुख्य निकित्सा अधिकारी" से ऐसा अधिकारी अभिन्नेत होगा जो केडला पोर्ट में उस दौरान, यह पद धारण किए हुए हैं।
- (झ) "नियुक्ति प्राधिकारों" उसी अर्थ में शिक्षप्रेत होना जैसा कि कंडला पोर्ट (भर्ती विश्विता तथा प्रवासित) विनियम में यथाविहित है।
- 3. प्रवेश योग्यताए '--

कंडला पाइलट सेवा में प्रवेश पाने हेगु निम्नां निख्त में से कोई एक योग्यता होना आवश्यक है, यथा —

(i) मास्टर (विदेशनामी) के का मे भभमना प्रमाणस्व ।

भवना

(ii) ड्रैंज सास्टर ग्रेंड I/प्रथम भेट (विदेशनासी) के रूप में सक्षमना प्रमाणथन्न।

ग्रयवा

- (iii) द्रिज मेंट ग्रेड [/हिलीय मेंट (विदेशनामी) के रूप मे सक्षमता प्रमाणतज्ञ ।
- (iv) टो. एस. राजेन्द्र का प्रथम श्रेणी मे उत्तीर्ण करने का प्रमाणयत्त।

ग्रथवा

(v) अनिवार्ग विषय के रूप में भौतिक तथा गणित में 50% अंकों सहित मान्यताप्राप्त विषयविद्यालम से डिग्रो।

अध्व

(vi) प्रथम श्रेणी में अभियांतिकी स्नातक ।

टिप्पणी :

पाइलट सेवा के उम्मीदवार को शारीरिक स्वस्थता प्रमाणपत्र ऐसे चिकित्सा प्राधिकारों से प्राप्त करना होगा, जिसे बोर्ड हारा इस प्रयोजनार्थ निर्धारित किया गया हो।

स्रायु सीमा : --(1) टी. एस. राजेन्द्र तथा स्तातक प्रविष्टि योजना के स्रधीन प्रशिक्षणाथियों के लिए 26 वर्ष से कम श्रीभयातिकी उम्मीदवारीं के लिए 28 वर्ष ।

- (2) ग्रन्य उम्बीदवारो के लिए 35 वर्ष से कम।
- 4. श्रेणो पदनाम :---
- (1) कडना गडनट मेगा मे आने दाला प्रशासमायीं पाइनट कहना नेगा ! 5. मास्टर (विदेशकानी) के रूप मे सक्षम राप्रमाणात्र द्वारण करने वाले प्रशिक्षणार्थी पाइनट का प्रशिक्षण .
- (i) मास्टर (िवदेगनार्ग) के रूप में सक्षमना प्रमाणपत्र धारण करने वाले प्रशिक्षणार्थी की वरिष्ठ पाइलट नथा हार्वर मास्टर के साथ कम से कम एक माह की अविध तक कोइला पोर्ट के पहुंच मार्गी में तथा रसके चारों और व उसकी खाड़ो में नाविक कि कता तथा नौचालन का अनुभव प्राप्त करने हेतु अथवा सर्णण

- पार करने महिन जब तक वह कम से कम 30 पाइलट कार्य पूरे कर लेता है, जो भां पहले हो, प्रशिक्षण लेता होगा। प्रशिक्षण को समाप्ति परयदि प्रशिक्षणार्थी की हाबैर मास्टर द्वारा सिकाप्ति को जातो है, बगतें कि उप सरक्षक द्वारा श्रनुमोदित हो तो सीमित पाइलट अनुज्ञप्ति प्रदान करने के लिए परीक्षण किए जाने हेतु आवेदन कर सकता है।
- (11) सीमित पाइलट के रूप में दो माह की श्रतिरिक्त अविधि समाप्त करने के बाद हार्बर मास्टर की सिफारिश पर वह परीक्षा बोर्ड, जिसमें भारतीय लहाज का मास्टर, हार्बर मास्टर तथा उप संरक्षक सम्मिलित होंने, के समक्ष प्रस्तृत होगा।
- (iii) उर्गुवन परीक्षा उत्तीर्ण करने, श्रीर उनकी सिफारिश पर वह उम्मोडवार पन्विक्षाधीन पाइलट के रूप में भर्ती हीने का पान होता।
- 6 प्रथम श्रेणी (एफ. जी.)/ड्रेज मास्टर प्रथम श्रेणी के रूप में मक्षपरा प्रमाणाव धारण करने वार्व प्रशिक्षणार्थी पाइलट ·
- (i) प्रथम भेट (एफ जो)/ड्रेन मास्टर प्रथम श्रेणी के इस्म सक्षमा प्रमाणस्य धारण करते वाने प्रशिक्षणार्थी पाइलटों को विष्ट पाइलट तथा हार्बर मास्टर के साथ गाविक कला तथा नीवालन का अनुनव प्रणा सरने के निष् कड़ना पीट के पहुंच मार्गी में तथा उपके चारां अल, और उपक खाड़ों में तीन माह को पत्रिय तक सेवा करनी हों। जिसके दौरान उने कम से कम 150 कार्यपूरे करने हों। उनके पण्यत् हार्बर मास्टर की सिफारिण तथा उपसंरक्षक के अनुभोदन पर सोसिन पाइलट कार्य अनुजादित प्रदान करने के लिए परक्षण किया जाएया जी कि उसके 11000 जी, आर. टी. के जल्यानों को दिन के समर में श्री. टी. ची, से भीतरी हार्बर तक तथा प्रतिलोमक पाइलट करने के लिए प्राधिकृत करेगा।
- (ii) संतिमत अनुजिति के स्वतन्न पाइलट के रूप में छह महीनों की समाप्ति पर उसे एक परोक्षा बोर्ड, जिल्में भारतान जहाज का मास्ट, हार्बर मास्टर तथा उप संरक्षक सम्मिलित होंने, के समक्ष उपस्थित होना पडेगा।
- (3) उर्गुद्र परीक्षा उत्तीर्ण करने श्रीर सिकारिस होने पर, बम्मीदवार परिवोक्षाबीन पाइलट के रूप में ५र्ती होने का पान होगा ।
- प्रशिक्षणार्थी पाइलटजो दितीय मेट (एफ. जी.) ड्रेज मेट-1
 के इप में सक्षमना का प्रमाणनत्र घारण करने वाला हो।
- (i) प्रशिक्षगार्थी पाइलट जो द्वितीय मेट (एफ. जो.)/ हुज मेंट- के इन में सक्षमना का प्रमाणान धारण करते हैं उन्हें विरुठ पाइनटों ग्रीर हार्बर मास्टर के साथ नो महिनों को प्रविध्व तक प्रशिक्षण लेना होगा जिस दौरान उसे कंडला पीर्ट के पहुंच मानों में तथा उसके चारों तरफ श्रीर उतकी खाडा में नाविक कला श्रीर नैचालन में श्रमुक्व प्राप्त करते हैं हु कम से कम 300 कार्य करने पट्टें, तत्नक्वात हार्बर मास्टर की सिकारिश श्रीर उत्तरिक्षक अनुजीवन पर उसे माम। पाइलट कार्य का स्नृजीवन पर उसे माम। पाइलट कार्य का स्नृजीवन पर उसे माम। पाइलट कार्य का स्नृजीवन के समय करने हेत् उसका वराक्षण किया आएगा जी कि उसकी जिन के समय करने हेत् उसका वराक्षण किया आएगा जी कि उसकी जिन के समय करने हेत् उसका वराक्षण किया आएगा जी कि उसकी जिन के समय करने हेत् उसका वराक्षण किया आएगा जी कि उसकी जिन के समय
- (ा) संभित अनुकरित के स्वतन्न पायतट के रूप में क्रह महीनों के, समानि पर उसे एक पर क्षा बोर्ड, जितनें भारतीय जहाज का मास्टर, हार्बर मास्टर तथा उप संरक्षक सम्मिलित हार्गे, के समझ उपस्थित होना पड़ेगा।

(III) उत्युक्ति परक्षाउनाणं ज्ञार और विकाराव कर उप्याद स्वार परियक्षाधन पाइलर संस्थान निर्मातिको राज्ञाकाताः।

- ९ प्रक्रियार्थी पाद्वाट जो ट एस र जेन्द्र ३ प्रधम भेगा प अ**ल णं**करने का प्रमाणपत्न धारण धरने वानाहा।
- (1) प्रायम्भ से यसे हार्बर । व नीराध्या नियक प्रायान ने वे प्रार्थ पर निवर्षण के समस्त पहनुओ वा क्षामान ने रन आर उनके नियक्षण स्था समान दिरम का प्रार्थ का प्रार्थ के कि ए । भारता का प्रार्थ सक तैनान किना निर्माण । अस्तरप्राण्त उनका सक्षा निर्माण । अस्तरप्राण्त उनका सक्षा निर्माण । अस्तरप्राण्त के स्था पात के सम्बद्धि भक्ष प्राप्त निर्माण । स्था अस्त प्राप्त का स्था प्राप्त ।
- (11) नपर्युक्त परक्षाला ना तम कर। उर प्रतिणाधिया को नाम्युक्त त प्रश्निष्य को। यि प्रमान्त्र त नाम मार्ग्य के साथ काम नाम होता। जो, तत्वन्यात पर्य मास्त्र व निका श सथा उप नरक्षाक के कहने पर जो तिका पर का नाम कर नाम श्री श्रीतां अपना के ने हेत् उता परक्षणात्मा लगा जा ति जाका कि किसम म आ ट ब से शतकी बन्दर ति अपना मा 11000 जा आप ट क क्षमा भी ति ता का पाइउट यो। स्रोम प्राधिकृति वर्षा।
- (।।) राकि। अन्दानि ५ मन्त्रत्न पाउनर १ का म छन् म्हाना में प्रस्तान ५६ मा प्रशासा २०१ तन्त्र मान्य रस्त कामोस्टरहार्जर मास्टर, नथा ३२ परज्ञ समिनात हो पंजाबल स्वस्थिति होता पीमा।
- (1V) उपर्युक्त परक्षा उत्तर्भ करा और विकारित हाते पर उपनद्भार परिवक्षाधन पाइएट के रूक में क्षी हो। करणाइ होता।
- क्तातक प्रकिष्ट योजना के भवन प्रशिक्षणार्थी पाइन्त्रो
 भा प्रशिक्षण
- (१) ऐसे प्रशिक्षणार्थी पाइलट जिन्होंने किया सहस्रका प्राण्त विश्वाप से प्रतिकार्य विश्वय के रूप म भाषिक विज्ञात और गणित में कम से कम 50 प्रतिणा अको के साथ विज्ञात की विश्वी हासिल की है और प्रयम श्रेण में उर्लण इल निवर स्वाप्तक जा नता को ने पा छह महेतों के लिए ग्रुड़ा विषयों पर प्रीक्षणिक प्रशिक्षण हेत् प्रशिक्षण सर्थान में भेजा जाएगा।
- (1) सस्थान में प्रशिक्षण समात करने के पश्चात प्रशिक्षणाधी पांचलटों को उस सस्थान द्वारा धायोजित पर क्षा में सिमलित होना परेगा जिसमें द्वित य मेट और प्रथम मेट परेक्षा के पाठ्यकम के सैद्धान्तिक पहलू समाविष्ट होने।
- (111) पर क्षण को सफलतापूर्वन समानि और पाइलट पर क्षा उत्तांण करने के बाद प्रशिक्षणाधियों को कडला पोर्ट ट्रस्ट के जलवानों जैसे कि कर्ष नौजाआ मर्जेक्षण नौजाओं पाइलट त्यानो प्रादि तथा है जिस बाप नेशन प्राप्त प्रतिकार पाइलट त्यानो प्रादि तथा है जिस बाप नेशन प्राप्त प्रतिकार पाइलट त्यानो प्रादि तथा है जिस बाप नेशन प्रतिकार पर तथा सी स्वीवान से प्रतुष्त और घाडणा पाट रे पहुंच माँ जीर गण्या प्रतिकार पर तथा सी स्वावान से प्रतिकार पर तथा सी प्रतिकार पर तथा से प्रतिकार से प
- (v) ऊपर बनाए गए प्रशिक्षण क समाति पर प्रशिक्षणार्थियो का मन्वेन्टाइल भरन डिपार्टमेंट (भारत सरकार) द्वारा धायोजिन सेक क मेट निभिटेड परका मसम्मिनित होदा होगा।

(V) अन घरण उत्तण करने पर, प्रणिक्षणाधियों को नी सह नी र नार्वा । र निष्ठ पार्थण और इबिर सास्टर के सान काम पार्थ रहा। अना कर्यकात हार्वे सास्टर के मिकारिक प्रथा रखा रखा है से सुभावा पर समित पाइन्ट का मिकारिक प्रथा करने हेंगू पर गण किया नाएगा जो कि सी दिन के मजब में जो र के से का फि नदर तर तथा दियों। से 11000 के प्रार ट के समित पार्थ उन में प्रार के रूप प्रार है। प्रार्थ के से सार के उन में का प्रार्थ के साम साम पार्थ उन में प्राप्त के स्था के

- (VI) समित धनधीत रेज्यस्त्व गडाट ये अल्य संग सहना बा समाधा पर १ र १४ क्षा वर्षे रिपम सारता बढाब का सस्टर धार्वर ६ रूपा वय परत्रा सामिति हो रे समक्ष प्रस्थिति रोग पडेगा
- (VI) व्याप्तरामा जिल्ला परने तथा सिक्कारिका पर वह वस्ताद नार पारवासारण पार्टाट के का सं ्रतीर पार्च स्थापा

ाल अस्त्राम प्रकार । अस्ति अस्ति प्रकार का असारी करा संक्षिप्रकार

संदर्भा अस्ति । स्थापना अस्ति स्थापना स्थापन स्थापना स्थापन स्थापन स्थापन स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्य

- ा समानियां विकासिक को पास अस्ति है। पतिकासिकी सारकों के सामास्थालया निमाताः अस्ति आधार स्रिक्षिण का माएंग --
- (क) एक बैंब में 25री भ्रापन विशेष्टना कॅडला पोर्ट दुस्ट काचवन सामी द्वारा परत हे समा निकेशन का ग^ह बीखता के कमानुसार की जाएगी ।
- (ख) प्रशिक्षणार्थी पाइराटा का विभिन्न श्रेणियो से भर्ती किए गण परिवाक्षा ग्रेन पाइलटो का आपरी वरिष्ठान, उनके प्रशिक्षण की सफलनापूर्वक समाण्य नया यसापेक्षिक पराक्षा उत्तार्ण करने पर कहाई से उस कमानुसार निर्धारिक को आए गो जिसमें ने परिवाक्षा ग्रेन पाइलट के इस्प में भर्ती किए गए है, इसमें उसको किसी सो श्रेणी में पाइलट के इस्प में भर्ती की हारी का त्रिक्ष त्रक उस श्रेणों के लिए सिर्धारिक को गई प्रशिक्षण को भ्रविध परिवार नहीं किया जाएगा।

12 प्रशिक्षणार्थी पाइलटीं से सबधित वजीके।

मास्टर एफ. जी प्रमाणपक्ष धारण करने क 4500/-प्रतिमाह बाला प्रशिक्षणार्थी

प्रथम मेट एक जी ह्रेज मास्टर धारण करने रु. 3500/-प्रतिमाह बाता प्रशिक्षणार्थी

हिताय भेट एफ जी हैज मेट ग्रेड-1 धारण करने बगा गरिश्वणार्थी ६ 3300/-प्रतिमाह

ही एव रानेर का प्रथम श्रेणी म उत्तीर्ण प्रमाण पव धारण करो चन्ता प्रसित्रणायीं ६. ३२०० प्रसिह

परिश्वाणां स्तारक - ४ 3000/ नाशिसाह, दूपरे तया तीनरे वय ४ 100 की वेनतवृद्धि सहित्।

(क्षजीपे न साथ प्राग्तगायों पाइनटों की संस्थान में ध्रवदा पाठयकम सथा परीक्षा मंसिम्मिलन होने के सिवाय, पाइनटीं की ग्राक्रीय वदीं भन्ना दिया जाएगा)

13 याक्षा भत्ता/वैनिक भत्ता

प्रशिक्षणाथर्थी पाइलट को बोर्ड द्वारा समय-समय पर प्रधिकथित किए गए मान के प्रनुसार याता भत्ते/दैनिक भन्ने का मृगशान किया आएगा।

14 अनुशाक्षन -

प्रशिक्षण काल के दौरान किसी प्रशिक्षणार्थी पाइलट का भाचरण और कार्य भ्रगर संदोध अनक नहीं पाया आना ता प्रशिक्षणार्थी पाइलट के रूप में उसकी नियुक्ति किसी भी प्रकार की मीटिस या कारण बताएं बिना भ्रष्ट्यक्ष द्वारा समाप्त्र की जासकती है।

15. बंधपन्न का निष्पादन

प्रशिक्षणार्थी पाइसट के रूप में अन लिए जाने पर पदमार ग्रहण से पूर्व ऐसा बधपस निष्पादित होगा निर्वारित होने उसके प्रक्रिक्षण पर संशस्त जाता प्राधिकारी द्वारा जैसा निर्धारित किया भवायगी कंडला पोर्ट ट्रस्ट को करेगा

टिप्पणी.- सफलता से प्रशिक्षण पूरा करने और कंडला पोर्ट ट्रस्ट मे पश्चातवर्ती पारकोक्षार्शन पाइलट के कर में निगुकत होने पर बहु अन्ध बातों के क्षाय-साथ समय-समय पर यथासंशोधित कड़ला पोर्ट (पाइलटो का प्राधिकार) निनियम, 1964 द्वारा शासित होया।

16 नि**वंच**न :~

किसी भी विनियम अथवा प्रयुक्ति के निवर्चन में कोई सदेह अथवा राय में भिन्नता होनं के मामले में वह मामला अव्यक्ष को निर्विष्ट किया जाएगा, किसवा निर्णय अंतिम होगा।

17 विनियमो के प्रावधानो में शिथिर्ण(करण

इसस पहले किसी बात के अध्यक्षा होते हुए भी अध्यक्ष उसके विवेकानुसार धरमावश्यकता अध्यक्ष कार्य अध्यक्ष परिस्थितियों में उत्पर बताए गए किसी भी विनियम को शिथिल कर सकता है तथा इससे संबंधित उनके क्षारा लिखिल रूप में अभिलिखित किस वायेंगे।

> [पः न पो न्नार 12012/15/42-पीई-1] ग्रमाक जाशो सथुक्त समित्र

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 12th October, 1992

- G.S.R. 806(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 124, read with subsection (i) of Section 123 of the Major Por's Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Kandla Port Pilot Service (Training, Grading & Seniority) Regulations, 1992 made by the Board of Trustees of the Port of Kandla and set out in the Schedule annexed to this Notification.
- 2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

SCHEDULE

In exercise of the powers conferred by Section 28 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Board of Trustees of the Port of Kandla hereby make the following regulations, namely:—

- 1. Short title, commencement and application: (i) These regulations shall be called the Kandla Port Pilot Service (Training, Grading and Seniority) Regulations 1992.
- (ii) They shall apply to Trainee Pilots of the Kandla Pilot Service.
- 2. Definitions: In these regulations, unless the context otherwise requires—
 - (a) "Act" shall mean the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963) as amended from time to time.
 - (b) "Board" shall mean the Board of Trustees of the Port of Kandla.
 - (c) "Chairman" shall mean the Chairman of the Port of Kandla.
 - (d) "The Kandla Pilot Service" shall mean the service constituted by the Board of Trustees of the Port of Kandla.
 - (e) "Deputy Conservator, Marine Department" shall mean the officer in whom the direction and management of pilotage are vested.
 - (f) "Harbour Master" shall mean the officer appointed by the Board to perform such duties as may, from time to time, be assigned by the Deputy Conservator.
 - (g) "Service" shall mean the Kandla Pilot Service.
 - (h) "Chief Medical Officer" shall mean the officer for the time being holding the post in the Port of Kandla.
 - (i) "Appointing authority" shall have the same meaning as prescribed in the Kandla Port (Recruitment, Seniority & Promotion) Regualtions.

3 Entry Quailfication :---

Qualification required for entry into the Kandla Pilot Service may be any one of the following, viz.—

(i) Certificate of competency as Mader (Foreign Going)

OR

(ii) Certificate of competency as Dredge Master Grade 1/First Mate (Foreign Going).

OR

(iii) Certificate of compensory as Dredge Mate Grade I₁Second Mate (Foreign Going).

OC



(iv) First Class passing out certificate of T. S. Rajendra

OR

(v) Degree of a recognised University with at least 50 per cent Marks in Physics and Mathematics as compulsory subjects.

OR

(vi) First Class engineering Graduates.

Note: Candidates for Pilot Service should obtain certificate of Physical fitness from such medical authority as may be prescribed by the Board for the purpose.

Age limit:

- (1) Below 26 years for trainees from T.S. Rajendra and under Graduate Entry Scheme. 28 years for Engineering candidate.
 - (2) Below 35 years for others.
 - 4. Grade designation:
- (i) An entrant to the Kandla Pilot Service shall be known as a Trainee Pilot.
- 5. Training of Trainee Pilot possessing the Cerificate of competency as Master (Foreign Going)
- (i) The Trainee Pilot possessing the Certificate of competency as Master (Foreign Going) shall serve a period of training of not less than one month with senior Pilot and Harbour Master to acquire experience in seamanship and navigation in and around Kandla Port approaches and its creek, or till such time he attends minimum of 30 acts of pilotage, involving of crossing the channel whichever is later. On completion of the training, the trainee may if recommended by Harbour Master and subject to approval of Deputy Conservator, apply to be examined for grant of Restricted Pilotage Licence.
- (ii) On completion of further period of two months as a Restricted Pilot, he shall on recommendation of Harbour Master appear before an Examination Board consisting of Master of Indian Ship, Harbour Master and Deputy Conservator.
- (iii) On passing the above examination and on their recommendations, the candidate shall become eligible for appointment as Probationary Pilot.
- 6. Traince Pilots possessing the Certificate of Competency as 1st Mate (F.G.) Dredge Master Gr.
- (i) Trainee Pilots possessing the Certificate of Competency as 1st Mate (FG) Dredge Master Gr. I shall serve a period of training of three months with senior Pilots and Habour Master during which he must attend a minimum of 150 jobs to acquire experience in seamanship and navigation in and around Kandla Port approaches and its creek. He shall, thereafter on recommendations of H.M. and

- approval of D.C., be examined for grant of Restricted Pilotage Licence which will authorise him to pilot ships of 11000 GRT from OTB to inner harbour in day time and vice versa.
- (ii) On completion of six months as independent Pilot of Restricted Licence, he shall appear before an examination Board consisting of Master of an Indian ship, H.M. & D.C.
- (iii) On passing the above examination and the recommendations, the candidate shall become eligible for appointment as Probationary Pilot.
- 7. Traince Pilots possessing the Certificate of Competency as 2nd Mate (F.G.)/Dredge Mate Gr. L.
- (i) Trainee Pilots possessing the Certificate of Competency as 2nd Mate(FG)/Dredge Mate Gr. I shall serve a period of training of nine months with Senior Pilots and HM during which he must attend a minimum of 300 jobs to acquire experience in seamanship and navigation in and around Kandla Fort approaches and its creek. He shall, thereafter on recommendations of HM and approval of DC, be examined for grant of Res'ricted Pilotage Licence which will authorise him to pilot ships of 11000 GRT from OTB to inner harbour in day time and vice versa.
- (ii) On completion of six months as independent Pilot of Restricted Licence, he shall appear before an Examination Board consisting of Master of an Indian ship, H.M. & D.C.
- (iii) On passing the above examination and the recommendations the candidate shall become eligible for appointment as Probationary Pilot.
- 8. Trainee Pilots possessing the First Class, passing out Certificate of "T. S. Rajendra".
- (i) He shall initially be posted on harbour tugs, dredger, Pilot launches etc. for a period of 12 months to undergo training to learn full aspects of dredging and its control and monitoring. Thereafter, trainees would be assessed for their competence and would be sent to Bombay for completing Radar Observers Course, proficiency in Survival of Craft and Advance Fire Fighting Course.
- (ii) On passing above examinations trainees would serve a period of nine months with Senior Pilots and Harbour Master. He shall, thereafter on recommendations of H.M. and approval of D.C., be examined for grant of Restricted Pilotage Licence which will authorise him to pilot ships of 11000 GRT from OTB to inner harbour in day time and vice versa.
- (iii) On completion of six months as independent Pilot of Restricted Licence, he shall appear before an Examination Board consisting of Master of an Indian ship, H.M. & D.C.
- (iv) On passing the above examination and the recommendations, the candidate shall become eligible for appointment as Probationary Pilot.
- Training of Trainee Pilots under Graduate Entry Scheme.
- (i) Traince Pilots holding Science degree with atleast 50 per cent marks in Physics and Mathematics as compulsory subjects and First Class Engineering

Graduates, from any recognised University would on appointment be sent to a training Institute for academic training in Marine subjects for six months.

- (ii) After comple'ion of training in the Institute the Trainec Pilots would be required to appear for examination to be held by the said Institute, which would cover theoretical aspects of the syllabus of Second Ma'es and First Mates Examination.
- (iii) After successful completion of training and passing Pilot examination, the trainers would be placed on KPT vessels such as tugs, survey boats, pilot vessels etc. and Dredging Corporation of India dredgers working at Kandla Port to enable them to acquire experience in seamanship and navigation and knowledge of Kandla Port approaches navigation channel and Kandla creek. They would be required to stay on such ship for atleast 18 months. The would be also required to learn full aspects of dredging and its control and monitoring. Thereafter, trainees would be assessed for their competence and only those persons with a potential for pilotage would be sent to Bombay for completing Radar Observers Course, proficiency in Survival of Crafts and Advance Fighting Course.
- (iv) At the conclusion of training as mentioned above, trainees would appear for Second Mates Ltd. Examination to be conducted by Mercantile Marine Department (Government of India).
- (v) On passing above examination, trainees would serve a period of nine months with senior pilots and Harbour Master. He shall, thereafter, on recommendations of H.M. and approval of D.C., be examined for grant of Restricted Pilotage Licence which will authorise him to pilot ships of 11000 GRT from OTB to inner harbour in day time and vice versa,
- (vi) On completion of six months as independent Pilot of Restricted Licence, he shall appear before an Examination Board consisting of Master of an Indian Ship, H.M. & D.C.
- (vii) On passing the above examination and the recommendations, the candidate shall become eligible for appointment as Proba ionary Pilot.
- 10. Failure to pass an examination in the prescribed period of training.

In the event of a Trainee Pilot failing to pass any of the specified examination within the prescribed period even after availing of a maximum of three chances, his appointment as Trainee Pilot will be liable to be terminated forthwith without any notice or reasons whatsoever.

11. Inter-se seniority of Trainee Pilots

The inter-se seniority of Trainee Pilots shall be determined on the following basis:—

- (a) In a batch, their inter-se seniority will be in accordance wi'h the order of merit as determined by the Selection Committee of Kandla Port Trust at the time of selection;
- (b) The inter-se seniority of the Probationary Pilo's appointed from various categories of Trainee Pilots on successful completion of

their training and passing of the required examination, shall be determined strictly in order in which they are appointed as Probationary Pilots irrespective of their date of appointment as Trainee Pilots in any category and the period of training prescribed for such category.

12. Scale of sipend to Trainee Pilots.

Trainee with Master

F.G. Certificate : Rs. 4500 p.m.

Traince with 1st Mate

F.G. Dredge Master : Rs. 3500 p.m.

Traince with 2nd Mate

F.G. Dredge Mate Gr. 1 . Rs. 3300 p.m

Trainee with First Class passing

Certificate of T.S. Rajendra : Rs. 3200 p.m.

Traince Graduates—Rs. 3000 p.m. with an increment of Rs. 100 in the 2nd and 3rd year.

(In addition to the stipend, the Trainee Pilots shall be paid uniform allowance admissible to the Pilots except while in institute or attending course and examination).

13. T.A./D.A.: The trainee pilots shall be paid TA/DA as per the scale as may be laid down from time to time by the Board.

14. Discipline:

During the course of Training, if the conduct and performance of any trainee Pilot is not found to be satisfactory, his appointment as Trainee Pilot will be liable to be terminated without notice or reasons, whatsoever by the Chairman.

15. Execution of Bond:

On being selected as a Trainee Pilot, he shall execute, before joining, a bond that he shall pay to the Kandla Port Trust the entire expenditure incurred on his training as may be determined by the competent authority, if he leaves before completion of prescribed training.

Note:—On completion of successful training and subsequent appointment as Probationary Pilot in KPT, he shall, inter alia, be governed by the Kandla Port (Authorisation of Pilots) Regulations, 1964, as amended from time to time.

16. Interpretation:

In case of any doubt or difference of opinion about the interpretation of any of the Regulations or the application, it shall be referred to the Chairman, whose decision shall be final.

17. Relaxation of provisions of the regulations:

Notwithstanding anything contained hereinbefore, the Chairman, may, at his discretion, relax any of the regulations mentioned above in exigencies or work or situation, the reasons for which shall be recorded by him in writing.

[No. PR-12012]15]92-PE.I] ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.